

11. पुन्नाग वृक्ष 12. कैलाश की चौटी 13. एक आदित्य।

**अरुणकर** पुं. (तत्.) सूर्य, दिनकर पर्या. अंशुमान, आदित्य, चित्ररथ, प्रभाकर, भानु, भास्कर।

**अरुणा** स्त्री. (तत्.) 1. सूर्योदय के समय पूर्व दिशा में दिखाई देने वाली लालिमा, अरुणिमा 2. मजीठ 3. घुँघची 4. एक प्राचीन नदी।

**अरुणाई** स्त्री. (तद्.) लालिमा, ललाई, अरुणिमा।

**अरुणाग्रज** पुं. (तत्.) (अरुण के अग्रज) गरुड़। इन्हें 'अरुणानुज' भी कहते हैं।

**अरुणाचल** पुं. (तत्.) 1. भारत के बिल्कुल पूर्वोत्तर में स्थित प्रदेश 2. वह पर्वत जहाँ सूर्य सर्वप्रथम निकलता है।

**अरुणात्मज** पुं. (तत्.) 1. जटायु 2. यम 3. मनु, शनि 4. सुग्रीव 5. कर्ण और दोनों अश्विनी कुमार 6. सूर्य का पुत्र।

**अरुणात्मजा** स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य की पुत्री, सूर्यतनया अर्थात् यमुना तथा ताप्ती नदी।

**अरुणानुज** पुं. (तत्.) अरुण के अनुज, गरुड़।

**अरुणाभ** वि. (तत्.) लालिमायुक्त, रक्ताभ।

**अरुणार्चि** पुं. (तत्.) लाल किरणों वाला, सूर्य।

**अरुणाली** वि. (तद्.) लाल आभा वाली।

**अरुणित** वि. (तत्.) जो लाल रंग में रंगा गया या रंगा हुआ हो।

**अरुणिमा** स्त्री. (तत्.) लाली, लालिमा, रक्तिमा।

**अरुणी** स्त्री. (तत्.) 1. लाल रंग की गाय 2. उषा।

**अरुणीकृत** वि. (तत्.) दे. अरुणित।

**अरुणेक्षण** वि. (तत्.) लाल आँखों वाला, रक्त नेत्रों वाला।

**अरुणोदक** पुं. (तत्.) लाल सागर, अरब और मिस्र देश के बीच का सागर।

**अरुणोदधि** पुं. (तत्.) दे. अरुणोदक।

**अरुणोदय** पुं. (तत्.) 1. प्रातःकालीन सूर्योदय 2. प्रातःकाल, उषाकाल, भोर, सूर्योदय-काल, तड़का।

**अरुणोपल** पुं. (तत्.) पद्मराग मणि, लाल नामक रत्न।

**अरुवा** पुं. (तत्.) दे. अरुआ।

**अरुष** वि. (तत्.) 1. जो दोषयुक्त न हो, अक्रोधी, जो रूठा न हो 2. चमकदार 3. लालिमायुक्त अक्षत, हानि-रहित।

**अरुषी** स्त्री. (तत्.) 1. उषा की बेला 2. अग्नि ज्वाला 3. भृगु ऋषि की पत्नी वि. चमकदार, चमकीली।

**अरुष्क** पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का औषधीय पौधा, अडूसा, रूसा 2. भल्लातक वृक्ष या उसकी गिरी।

**अरुष्ट** वि. (तत्.) जो रुष्ट न हो, प्रसन्न।

**अरुक्ष** वि. (तत्.) 1. जो रूखा न हो, कोमल, मुलायम, सुकुमार, नाजुक 2. सपाट, चिकना।

**अरुद्ध** वि. (तत्.) जो रुद्ध न हो अपरंपरागत, जो प्रचलित न हो, अप्रचलित।

**अरूप** वि. (तत्.) 1. रूपरहित, आकृतिहीन, निराकार, जैसे- परमात्मा 2. कुरूप 3. असमरूप, असमान

**अरूप** पुं. (तत्.) 1. रूप का अभाव 2. ब्रह्म 3. बुरा रूप।

**अरूपक** वि. (तत्.) 1. जिसका रूप न हो, निराकार, जैसे- परमात्मा 2. (काव्य.) रूपक अलंकार से भिन्न पुं. 3. (बौद्ध) निर्बीज समाधि।

**अरूपहार्य** वि. (तत्.) 1. जिसे सौंदर्य से आकर्षित न किया जा सके 2. जो रूप-सौंदर्य के वशीभूत न हो।

**अरे अव्य.** (तत्.) तिरस्कार और आश्चर्य व्यक्त करने वाला संबोधन शब्द प्रयो. "अरे! उधर न जाना, उधर साँप बैठा है, "अरे! आप आ गए।

**अरेखित** वि. (तत्.) जो रेखांकित न हो, वह (लेख आदि) जिसके नीचे रेखा नहीं लगाई गई हो।